

---

rAhupa nchaviMshatinAmastotram

——  
राहुपञ्चविंशतिनामस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : rAhustotram pa.nchavi.nshatinAma

File name : raahu25.itx

Category : navagraha, stotra, viMshati

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Author : Traditional

Transliterated by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com)

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Description-comments : skandapurANA

Latest update : February 19, 2005

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 1, 2026

*sanskritdocuments.org*

---




——  
राहुपञ्चविंशतिनामस्तोत्रम्




श्री गणेशाय नमः ।  
राहुर्दानवमन्त्री च सिंहिकाचित्तवन्दनः ।  
अर्धकायः सदाक्रोधी चन्द्रादित्यविमर्दनः ॥ १ ॥  
रौद्रो रुद्रप्रियो दैत्यः स्वर्भानुर्भानुभीतिदः ।  
ग्रहराजः सुधापायी राकातिथ्यभिलाषुकः ॥ २ ॥  
कालदृष्टिः कालरूपः श्रीकण्ठहृदयाश्रयः ।  
विधुन्तुदः सैहिकेयो घोररूपो महाबलः ॥ ३ ॥  
ग्रहपीडाकरो दंष्ट्री रक्तनेत्रो महोदरः ।  
पञ्चविंशतिनामानि स्मृत्वा राहुं सदा नरः ॥ ४ ॥  
यः पठेन्महती पीडा तस्य नश्यति केवलम् ।  
आरोग्यं पुत्रमतुलां श्रियं धान्यं पशूंस्तथा ॥ ५ ॥  
ददाति राहुस्तस्मै यः पठते स्तोत्रमुत्तमम् ।  
सततं पठते यस्तु जीवेद्वर्षशतं नरः ॥ ६ ॥  
॥ इति श्रीस्कन्दपुराणे राहुपञ्चविंशतिनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

---

——  
*rAhupa nchaviMshatinAmastotram*

pdf was typeset on March 1, 2026

——

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

